RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 10 जून 2024 वर्ष 06 अंक 53 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

दिल्ली से लौटे फडणवीस, खुद को बताया फाइटर...

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मोदी कैबिनेट 3.0 में महाराष्ट्र से छह सांसद बने मंत्री

महाराष्ट्र से गडकरी और गोयल समेत कुल छह को मिली जगह

1. महाराष्ट्र से फिर मंत्री बने नितिन गडकरी और रामदास अठावले
2. पीयूष गोयल ने ली कैबिनेट मंत्री की शपथ, मुंबई नॉर्थ से जीते हैं
3. केंद्रीय मंत्रीमंडल में रक्षा खडसे की इंट्री, रावेर से जीती हैं चुनाव

महाराष्ट्र : नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले चुके हैं। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शपथ दिलाई। उनके साथ मंत्रिपरिषद ने भी मंत्री पद की शपथ ली। नए मंत्रिपरिषद में पुराने अनुभवी नेताओं के साथ कई नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। नई एनडीए सरकार में महाराष्ट्र से भी छह सांसदों को मंत्री बनाया गया है। इनमें नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, रक्षा खडसे, मुरलीधर मोहोल, रामदास अठावले और प्रतापराव जाधव शामिल हैं। हालांकि एनसीपी के दो में से किसी भी सांसद को मंत्रिपरिषद में जगह नहीं मिली है।

इसके अलावा महाराष्ट्र भाजपा के दो अन्य नेता, जो पिछली सरकार में केंद्रीय मंत्री थे, उन्हें भी इस बार जगह नहीं मिली है। ये नेता हैं नारायण राणे और डॉ भागवत कराड। नए मंत्रिमंडल में भाजपा ने क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। साथ ही गडकरी, गोयल, खडसे एवं मोहोल को मंत्री पद देकर राजनीतिक रूप से प्रभावशाली जातियों को भी महत्व दिया है। गौरतलब है कि नितिन गडकरी मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में अहम मंत्रियों में से एक थे। नागपुर सीट से जीत की हैट्रिक बनाने वाले नितिन गडकरी विदर्भ क्षेत्र से आते हैं, जहां हाल ही में संपन्न आम चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। ब्राह्मण समुदाय से आने वाले गडकरी को आरएसएस का मजबूत समर्थन प्राप्त है।

मराठा समुदाय को साधने का प्रयास

पुणे से पहली बार निर्वाचित हुए मोहोल को मंत्री बनाकर भाजपा ने राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय को खुश रखने का प्रयास किया है। यह भाजपा नेतृत्व की तरफ से सोचा-समझा कदम है। वहीं शिवसेना सांसद प्रतापराव जाधव भी मराठा समुदाय से हैं और विदर्भ क्षेत्र से आते हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के बाद जाधव लगातार चौथी बार लोकसभा के लिए चुने गए।

विधानसभा चुनाव पर नजर

महाराष्ट्र में इस साल सितंबर-अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले विदर्भ क्षेत्र में नियंत्रण हासिल करने के लिहाज से गडकरी को मंत्रिमंडल में शामिल करना महत्वपूर्ण है। वहीं पीयूष गोयल अपने पहले लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए हैं। मोदी मंत्रिमंडल में पहले भी वह महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। रक्षा खडसे लगातार तीसरी बार रावेर से जीतीं हैं। वह एकनाथ खडसे की बहू हैं, जो फिर से भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। रक्षा लेवा पाटिल समुदाय से आती हैं, जो उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव और आसपास के जिलों में काफी प्रभावशाली है। रामदास अठावले (आरपीआई), जो सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रह चुके हैं, ने आम चुनाव में अपनी पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था, लेकिन महायुति के उम्मीदवारों का समर्थन किया था। उनको फिर से मंत्री बनाकर भाजपा दलित समुदाय को यह संदेश देना चाहती है कि एनडीए सरकार इसके उत्थान के लिए काम करती रहेगी।

पवई भीमनगर में पुलिस की कार्रवाई?

बेरहमी से पिटाई...

मुंबई : दो दिन पहले पवई के जय भीमनगर में झुग्गी बस्ती को मुंबई नगर निगम ने तोड़ दिया था. इसके बाद जितेंद्र अवाद ने आरोप लगाया कि बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए ही इस झुग्गी बस्ती को तोड़ा गया है. इस बीच, जितेंद्र अवध ने दावा किया है कि अब इस इलाके के बेघर निवासियों को बेरहमी से पीटा जा रहा है. उन्होंने एक्स सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर ये आरोप लगाए.

जितेंद्र अवध ने एक वीडियो पोस्ट किया है. इस वीडियो में एक व्यक्ति नागरिकों को बेरहमी से पीटता नजर आ रहा है. इस पर जीतेंद्र अवध ने गुस्से भरी प्रतिक्रिया दी है. यह अमानवीय यातना कोई क्यों सहे? इस वीडियो में रूमाल वाला आदमी कौन है? उन्होंने कहा कि झुग्गियों को तोड़ने में काफी संघर्ष करना पड़ता है. क्या इस मामले की जांच होगी? उन्होंने यह सवाल राज्य सरकार से पूछा. खास बात यह है कि यह वीडियो पवई भीमनगर का बताया जा रहा है। हालाँकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई/ नगर पालिका स्वच्छता अभियान का दावा

1 दिन में करीब 316 किलोमीटर लंबी सड़कें होती हैं साफ...

मुंबई: मुंबई नगर निगम द्वारा पिछले साल अक्टूबर में शुरू किया गया स्वच्छता अभियान अभी भी जारी है और नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को एक दिन में लगभग 316 किलोमीटर सड़कें साफ करने का दावा किया है . यह स्वच्छता अभियान 1 हजार 220 कार्यकताओं, 171 संयंत्रों की सहायता से चलाया गया। एक ही दिन में 85 मीट्रिक टन मलबा, 25 मीट्रिक टन भारी कचरा और 65 मीट्रिक टन कचरा एकत्र किया गया।

मुंबई महानगर में पिछले 29 सप्ताह से गहन सफाई अभियान चल रहा है। इस अभियान को व्यापक बनाते हुए प्रत्येक प्रशासनिक प्रभाग में प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। यह अभियान सभी 227 वार्डों में चल रहा है. इसके तहत शनिवार को सभी प्रशासनिक विभागों में जनभागीदारी से सघन सफाई अभियान चलाया गया.

सघन स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को 85 मीट्रिक टन राडार, 25 मीट्रिक टन भारी कचरा और 65 मीट्रिक टन कूड़ा एकत्र किया गया। धूल हटाने के लिए लगभग 316 किमी लंबी सड़कों पर ब्रश किया गया। यह प्रदर्शन 1 हजार 220 श्रमिकों-कर्मचारियों द्वारा 171 संयंत्रों की सहायता से किया गया। अभियान में जेसीबी, डंपर, कॉम्पेक्टर, कचरा संग्रहण वाहन, पानी के टैंकर और फायरेक्स मशीन, मिस्टिंग मशीन और अन्य आधुनिक प्रणालियों वाले वाहनों का भी उपयोग किया गया।

दक्षिण मुंबई में संग्रहालय प्रभाग, गणेश नगर, कुपरेज मार्ग, नाथलाल पारेख मार्ग, ग्रांट रोड में पथे बापुराव मार्ग, एडेनवाला मार्ग, सायन माहेश्वरी उद्यान से वडाला पच उद्यान मार्ग, माहिम काज वे ब्रिज से मिलन सबवे, वकोला पुलिस स्टेशन परिसर, कुर्ला पूर्व एस। जाना। बर्वे मार्ग, मदर डेयरी मार्ग, शरदवाड़ी चेंबूर, घाटकोपर पश्चिम में वर्षा नगर मार्ग, गोरेगांव आरे मार्ग, कांदिवली पश्चिम में नवा जोड़ मार्ग, दहिसर पश्चिम आदि।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण प्रदान करें केंद्र सरकार...

कांग्रेस नेता की मांग...

मुंबई : मराठा नेता मनोज जरांगे ने ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। इसी बीच कांग्रेस नेता नसीम खान ने शनिवार केंद्र सरकार से मुस्लिमों को आरक्षण प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने मुस्लिमों को आरक्षण देने की अपनी प्रतिबद्धता जताई है। नसीम खान ने कहा कि मराठा, धनगर और मुसलमानों को आरक्षण की मांग कई वर्षों से लंबित है और इन समुदायों को उनके सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, ''तेदेपा ने मुसलमानों को आरक्षण देने का वादा किया है। अगर आंध्र प्रदेश में ऐसा किया जा सकता है, तो महाराष्ट्र को भी ऐसा ही करना चाहिए। केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगहों पर भाजपा की सरकार है, केंद्र में तेदेपा राजग सरकार का समर्थन कर रही है।'' हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेदेपा और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) का समर्थन हासिल कर लिया है। प्रधानमंत्री पद के लिए नामित नरेंद्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए रविवार को शपथ लेंगे।

गौरतलब है कि इस लोकसभा चुनाव में ठऊअ को 290 से अधिक सीट मिली। 400 पार का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी को इन आम चुनावों में 240 सीटें मिलीं जो बहुमत के आंकड़े से 32 कम हैं। जिसके चलते भाजपा को इस दफा गठबंधन की सरकार बनानी पड़ रही है। भाजपा ने 2019 के चुनावों में 303 सीट पर जीत हासिल की थी।

संपादकीय...

एक नई शुरूआत...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी शपथ ग्रहण की। भारत जैसे विविधता से भरे लोकतंत्र में दो सफल कार्यकाल के बाद तीसरी बार पद पर लौटना सराहनीय तो है किंतु इस बार मोदी सरकार चलाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) के साझेदारों पर निर्भर रहेंगे। नई सरकार की बुनियादी प्राथमिकताएं जहां आने वाले दिनों में हमारे सामने होंगी, वहीं चिंता इस बात की भी है कि कहीं गठबंधन सरकार में सुधारों को अंजाम देना मुश्किल न साबित हो। बहरहाल अनुभव तो यही बताते हैं कि गठबंधन सरकारें न केवल प्रभावी ढंग से काम करती हैं बल्कि वे ढांचागत सुधारों को भी अंजाम देती हैं। भारत को अगर मध्यम अवधि में निरंतर उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करनी है तो उसे निरंतर सुधारों को अपनाना होगा। यह बात ध्यान देने लायक है कि बहुप्रतीक्षित कारक बाजार सुधारों को अंजाम देने का काम तो एक पार्टी के बहुमत वाली सरकारों में भी मुश्किल साबित हुआ है। ऐसे सुधारों पर सहमति बनाने में अवश्य समय लग सकता है लेकिन सरकार ऐसी पहल से शुरूआत कर सकती है जिन पर साझेदारों को आपत्ति होने की संभावना नहीं है।

उदाहरण के लिए सरकार को वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया जीएसटी परिषद में शीघ्र शुरू करनी चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में जीएसटी संग्रह में सुधार हुआ है। इसकी वजह अनुपालन में सुधार है किंतु दरों की बहुलता के कारण अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इससे केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर राजकोषीय परिणाम प्रभावित हुए हैं। एक सामान्य जीएसटी प्रणाली जिसमें सीमित स्लैब हों, वह राजस्व में बेहतरी लाएगी और कारोबारी सुगमता को भी बेहतर बनाएगी। इसके अतिरिक्त भाजपा (इखढ) के चुनावी घोषणा पत्र में कम से कम तीन ऐसे प्रमुख वादे किए गए जिन पर तत्काल अमल शुरू किया जा सकता है।

इनमें से पहला है देश की सांख्यिकीय व्यवस्था। भारत जैसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाले देश में यह अहम है कि आंकड़ों की गुणवत्ता विश्वसनीय हो। ऐसे आंकड़े सरकारी और निजी दोनों स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मददगार साबित होंगे। भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। सरकार ने काफी अंतराल के बाद हाल ही में उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए हैं लेकिन अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सकल घरेलू उत्पाद और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक श्रृंखला में संशोधन के पहले एक और बार ऐसा करना चाहिए। भारत को उत्पादक मूल्य सूचकांक की भी आवश्यकता है ताकि उत्पादन के बारे में बेहतर जानकारी मिल सके। इसके अलावा रोजगार के क्षेत्र में भी निरंतरता के साथ विश्वसनीय आंकड़े हासिल करना आवश्यक है। चूंकि कुछ संकेतक पुराने आंकड़ों पर आधारित हैं इसलिए शायद वे मौजूदा हालात को सही ढंग से सामने नहीं रख पा रहे हों। इससे नीतिगत निर्णय की गुणवत्ता प्रभावित होगी और आर्थिक परिणामों पर असर होगा। दूसरा है अदालतों में लंबित मामलों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय अभियोग नीति। विभिन्न अदालतों में करीब पांच करोड़ मामले लंबित हैं। भारत को अपनी न्यायिक क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता है। अदालतों में मामलों का तेज निपटारा कारोबारी सुगमता और देश में रहना दोनों को आसान बनाएगा। तीसरा है पंचायती राज संस्थानों में वित्तीय स्वायत्तता। सर्वाधिक विकसित तथा तेजी से विकसित होते देशों में बुनियादी सरकारी सेवाएं स्थानीय निकाय देते हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

झुग्गीवासियों को मोबाइल पर पता चल जाएगी किराए की मौजूदा स्थिति, अथॉरिटी जल्द ही लॉन्च करेगी ऐप

मुंबई: झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग जल्द ही डेवलपर्स से प्राप्त किराए की वर्तमान स्थिति, किराया कब वसूला जाएगा या वसूला गया है या नहीं आदि का विवरण जान सकेंगे। स्लम पुनर्वास प्राधिकरण ने इस संबंध में 'रेंट मैनेजमेंट सिस्टम' नामक एक अलग ऐप लागू किया है। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग मोबाइल नंबर, ईमेल जैसी जानकारी देकर इस ऐप पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इससे वह अथॉरिटी को परेशान किए बिना किराए का पूरा ब्योरा देख सकते हैं।

आवास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वलसा नायर सिंह ने इस ऐप को हरी झंडी दे दी है. यह ऐप प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेंद्र कल्याणकर की संकल्पना से बनाया गया है। कल्याणकर ने फामूर्ला स्वीकार करते ही इस संबंध में तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी थी। यह ऐप जल्द ही लॉन्च किया जाएगा. इससे झुग्गीवासियों को किराए की सही स्थिति पता चल सकेगी। झुग्गीवासियों के किराये का मुद्दा संवेदनशील है और किराया बकाया होने पर हाई कोर्ट ने भी अथॉरिटी को आड़े हाथों लिया था. इसके बाद अथॉरिटी ने सर्कुलर नंबर 210 जारी किया. इस सर्कुलर के अनुसार, डेवलपर ने झुग्गीवासियों के लिए झुग्गी पुनर्वास योजना को लागू करने से पहले प्राधिकरण को दो साल का अग्रिम किराया और फिर अगले साल का चेक जमा करना अनिवार्य कर दिया है। इस परिपत्र को लागू किए बिना किसी भी रुकी हुई योजना को फिर से शुरू करने के लिए डेवलपर को कोई प्रारंभ पत्र जारी नहीं किया जाता है। यह किराया प्राधिकरण द्वारा झुग्गीवासियों को दिया जाता है। इस सर्कुलर से किराया बकाया की शिकायतें काफी हद तक कम हो गई हैं. अब एक कदम आगे बढ़ते हुए, प्राधिकरण ने किसी भी किराये की शिकायत को ऐप पर दर्ज करना संभव बना दिया है। इसके अलावा अब हर झुग्गीवासी अपने किराए की मौजूदा स्थिति जान सकेगा।

नवी मुंबई में मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

नवी मुंबई : नवी मुंबई के तलोजा नगर से पुलिस ने 28 वर्षीय एक व्यक्ति को 6.5 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ मेफेड्रोन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी मोबीन महबूब खान के खिलाफ कार्रवाई शुक्रवार रात करीब 10 बजे की गई। अधिकारी ने बताया, ''नवी मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक प्रकोष्ठ की एक टीम ने खान को शुक्रवार रात पाटले गांव में एक मैदान पर संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाया। जब पुलिस कर्मियों ने उसकी तलाशी ली तो उन्हें उसके पास 65 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) मिली जिसकी कीमत 6,50,000 रुपए है।'' उन्होंने बताया कि खान के खिलाफ शनिवार को तलोजा पुलिस स्टेशन में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

पानी कटौती के बीच फूटी मुख्य पाइपलाइन

पिछले 4 दिनों से बूंद बूंद को तरसे मुंब्रा - दिवा वासी

दिवा : पानी की कटौती सहित अन्य कारणों के चलते पिछले चार दिनों से दिवा और मुंब्रा वासियों को भारी पेय जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच पलवा नीलजे के बीच मुख्य जलवाहिनी के टूटने से लाखों लीटर पानी बर्बाद होने की खबर से नागरिकों में आक्रोश का माहौल और गहरा गया है। उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने 5 जून, दिन बुधवार से 10 प्रतिशत पानी कटौती की घोषणा की थी। इसी दिन एमआईडीसी ने शट डाउन घोषित कर आवश्यक मरम्मत का काम शुरू किया जो दूसरे दिन शाम के तीन बजे समाप्त हो गया। मुख्य पाइपलाइन में कम दबाव का पानी छोड़ा गया। मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत किए जाने के बावजूद सुबह 8 से 9 बजे के बीच पलवा और निलजे के बीच मुख्य मुख्य पाइपलाइन फट गई और बड़े पैमाने पर पानी बर्बाद हो गया। इसके बाद मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई। इस काम में अधिकारियों की लापरवाही साफ साफ नजर आ रही है। पिछले चार दिनों से पानी की आपूर्ति बंद होने से नागरिकों को पानी के लिए भागम भाग करने को मजबूर होना पड़ रहा है। इसी मामले को लेकर पूर्व मनपा विरोधी पक्ष नेता शानू पठान को मनपा मुख्यालय स्थित आयुक्त कार्यालय के बाहर धरने पर बैठना पड़ गया। पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने लिए एक वर्ष पूर्व 600 मिमी की जलवाहिनी डाली गई थी। इसके बावजूद नागरिकों को पानी की समस्या से अभी तक मुक्ति नही मिल पाई है। गंभीर होती पानी की समस्या के समाधान के लिए नागरिक अब एक बड़े पैमाने पर आंदोलन छेड़ने की तैयारी में जुट गए हैं।

मुंबई गोवा हाईवे पर भूस्खलन

अलीबाग: मुंबई-गोवा राजमार्ग पर महाड के पास नांगलवाड़ी में शाम को भूस्खलन हुआ. इसके चलते कुछ देर के लिए मुंबई से गोवा तक यातायात बाधित हो गया. महाड इलाके में दोपहर से लगातार बारिश हो रही थी. यह दरार पहली ही बारिश में नांगलवाड़ी में हाईवे पर ढह गई। सौभाग्य से कोई नुकसान नहीं हुआ. पुलिस ने स्थानीय एजेंसियों की मदद से दरारें साफ कीं और राजमार्ग पर यातायात सुचारू किया। ढहने के दृश्य यात्रियों के फोन में कैद हो गए हैं।

कोंकण में लगातार क्यों होते हैं भूस्खलन, भूस्खलन के पीछे प्राकृतिक कारण?

कोंकण में भूस्खलन के चार मुख्य कारण हैं। यहाँ का क्षेत्र मुख्यतः पहाड़ी है। इस स्थान पर भारी वर्षा होती है। चट्टान की संरचना के कारण दरारें पड़ जाती हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है, इसलिए भूस्खलन का खतरा अधिक है। कोंकण की अधिकांश सड़कें घाटों के ऊपर से गुजरती हैं। इन सड़कों के लिए जगह-जगह पहाड़ खोदे गए हैं। समय के साथ इस क्षेत्र में ढीले पहाड़ और पत्थर गिरने लगते हैं। इसलिए, कोंकण में सड़क और रेलवे लाइनों में भूस्खलन अधिक होते हैं।

भूस्खलन के मानव निर्मित कारण

कोंकण में हवेली बस्तियाँ पहाड़ी की चोटी पर, पहाड़ी की तलहटी में या पहाड़ी की तलहटी में स्थित हैं। जैसे-जैसे इन बस्तियों का विस्तार होता है, कुछ खुदाई या समतलीकरण किया जाता है। इसलिए ये कारक समय के साथ भूस्खलन का कारण बनते हैं। चरागाहों की खुदाई, आग लगाना, पहाड़ी चोटियों पर पेड़ों की कटाई भी भूस्खलन में योगदान करती है।

कम समय में ज्यादा बारिश खतरनाक होती है

जब कम समय में बहुत अधिक वर्षा होती है तो भूस्खलन होता है। 18 और 19 जुलाई को कर्जत और खालापुर इलाकों में 300 से 350 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि माथेरान के आसपास के इलाके में 500 मिमी से अधिक बारिश हुई, जिससे इरशालवाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ। तलिये में भी दो दिनों में 500 से 700 मिलीमीटर बारिश हुई. इसके बाद दरार ढह गई. जुलाई 2005 में भी महड पोलादपुर इलाके में दो दिनों में 600 से 800 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. इसके चलते जुई, दासगांव, रोहन, कोंडिवेट गांवों पर भूस्खलन की गाज गिरी।

जरांगे का आरोप- भाजपा को वोट न देने वाले मराठों को किया जा रहा प्रताड़ित, कार्रवाई की मांग की

महाराष्ट्र : मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कुछ लोगों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उन्होंने शिकायत की कि ये लोग लोकसभा चुनाव में बीड में भाजपा को वोट न देने पर मराठों पर हमला कर रहे थे। जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। जिसमें मसौदा अधिसूचना के क्रियान्वयन की मांग की गई। इसमें मराठा समुदाय के सभी रक्त संबंधियों को कुनबी के रूप में मान्यता दी गई है। साथ ही कुनबी को मराठा के रूप में पहचानने के लिए कानून बनाने की मांग की गई है। अंतरवाली सारथी गांव में अपने अनिश्चितकालीन अनशन के दूसरे दिन जरांगे ने दावा किया कि बीड जिले के कुछ गांवों में मराठों पर भाजपा की पंकजा मुंडे को वोट न देने पर हमला किया जा रहा है। हाल ही में हुए

चुनावों में एनसीपी (एसपी) उम्मीदवार बजरंग सोनावणे से हार गई थीं।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीड के पुलिस अधीक्षक से ऐसी हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने बताया कि भाजपा को वोट न देने पर मराठों को प्रताड़ित किया गया। साथ ही मराठा युवाओं से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया। एक कार्यकर्ता ने कहा कि मराठा हितों का विरोध करने वाले नेताओं को आगामी विधानसभा चुनावों में परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि कुनबी, एक कृषि समूह है। जो पिछड़ा वर्ग श्रेणी में आता है। मनोज जरांगे की मांग है कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। जिससे वे कोटा लाभ के पात्र बन सकें। कार्यकर्ता ने मराठों को खेती पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। खासतौर पर बुवाई के मौसम के दौरान और अंतरवाली सारथी में विरोध स्थल पर उनके साथ शामिल न हों।

इस बीच अंतरवाली सारथी गांव की ग्राम पंचायत ने जरांगे के विरोध का समर्थन करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। हालांकि जिला प्रशासन को ग्रामीणों के एक वर्ग ने पहले ही ज्ञापन सौंप दिया था। ज्ञापन में सांप्रदायिक सद्भाव के लिए संभावित खतरे का हवाला देते हुए गांव में जरांगे के विरोध को अनुमति न देने का आग्रह किया गया था।

पीयूष गोयल, नितिन गडकरी, मोदी की नई कैबिनेट में महाराष्ट्र से कितने मंत्री?

मुंबई : मोदी की नई कैबिनेट में महाराष्ट्र से नितिन गडकरी एक बार फिर शामिल होंगे, उनके साथ ही भाजपा के दिग्गज नेता पीयूष गोयल भी मंत्रालय में दिखाई देंगे। नितिन गडकरी मोदी सरकार के हैवीवेट मिनिस्टर्स में से एक हैं और मोदी 1.0 और 2.0 में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। गडकरी नागपुर सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते हैं और आरएसएस के भी बेहद करीबी हैं। गडकरी 2009 से 2013 तक बीजेपी के अध्यक्ष रहें हैं और साथ ही महाराष्ट्र में वे पीडब्लूडी मंत्री भी रह चुके हैं।

पीयूष गोयल और नितिन गडकरी के अलावा महाराष्ट्र में शिवसेना कोटे से प्रतापराव जाधव को मोदी 3.0 में मंत्री बनाया जाएगा। बता दें कि प्रतापराव जाधव बुलढाणा से लगातार चौथी बार चुनाव जीते हैं। इससे पहले वह तीन बार विधायक भी रह चुके हैं। जाधव 1997 से 1999 तक महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे हैं। उन्होंने सरपंच से लेकर संसद तक का सफर तय किया है और साल 2009 से लगातार सांसद बन रहे हैं। बीजेपी की सहयोगी पार्टी पक्के के नेता और राज्यसभा सांसद हैं रामदास अठावले जो पीएम की नई कैबिनेट में दिखाई देंगे। महाराष्ट्र की दलित पॉलिटिक्स के किरदार अठावले महाराष्ट्र में बीजेपी के अहम सहयोगी रहे हैं। वह 2016 से लगातार मंत्रिमंडल में हैं। अठावले सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रहे हैं। महाराष्ट्र में दलित पॉलिटिक्स के किरदार रहे हैं अठावले। (अजित गुट) के राज्यसभा सांसद मोदी की नई सरकार में अजित पवार के प्रतिनिधि होंगे। पटेल ठऊअ की बैठक में शामिल हुए थे। लोकसभा में NCP (अजित) का एक ही सदस्य है। उन्हें राज्य मंत्री का पद मिल सकता है। पटेल UPA सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। बुलढाणा से लगातार चौथी बार चुनाव जीतने वाले प्रतापराव जाधव पीएम मोदी की नई कैबिनेट में दिखाई देंगे। वे शिवसेना शिंदे गुट से लोकसभा चुनाव जीते हैं और 3 बार विधायक रह चुके हैं। साल 1997 से 1999 तक महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। सीनियर नेता एकनाथ खड़से की बहू रक्षा खड़से महाराष्ट्र इखढ का बड़ा ओबीसी चेहरा हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा है। राज्य में पार्टी ने 28 में से 9 सीटों पर ही जीत हासिल की है। इस बार मराठा और दलित वोट बीजेपी से छिटक गया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर एक ही रनवे पर दो विमान, एक की लैंडिंग तो दूसरा उड़ने को तैयार... बड़ा हादसा होते बचा

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा होने से बच गया है। एयरपोर्ट पर एक ही रनवे पर एक ही समय पर दो विमान आ गए। इस दौरान सैकड़ों यात्रियों की जान पर बन आई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें रनवे पर एक विमान उतर रहा है। वहीं उसके आगे दूसरा विमान उड़ान भरता दिख रहा है। दोनों विमानों का इस तरह टेक ऑफ और लैंडिंग करना बेहद खतरनाक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर एयर इंडिया और इंडिगो के विमान एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंडिगो का विमान 5053

देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट (IDR) से उड़ान भरने के बाद रनवे 27 पर उतर रहा था, जबकि एयर इंडिया का विमान 657 तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (TRV) के लिए उड़ान भर रहा था।

मुंबई एयरपोर्ट पर इस घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मुंबई एयरपोर्ट के एक ही रनवे पर एक समय पर दो विमान आ गए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि एक विमान रनवे पर लैंडिंग कर रहा है। वहीं उसके आगे दूसरा विमान उड़ान भर रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर इसपर जमकर कमेंट कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एयर इंडिया की फ्लाइट उड़ाने भरने के लिए रनवे पर तेजी से आगे बढ़ रही है। वहीं पीछे इंडिगो की फ्लाइट लैंड कर रही है। हालांकि इंडिगो की फ्लाइट जब तक एयर इंडिया के विमान के करीब जाती है वह उड़ान भर चुकी होती है।

इस घटना के बाद इंडिगो का बयान सामने आया है। इंडिगो के मुताबिक, इंदौर की फ्लाइट 6ई 6053 को मुंबई एयरपोर्ट पर एटीसी द्वारा लैंडिंग की मंजूरी दी गई थी। पायलट इन कमांड ने एप्रोच और लैंडिंग जारी रखी और एटीसी के निर्देशों का पालन किया। इंडिगो के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

घाटकोपर होर्डिंग मामले में दो नई गिरफ्तारी... गोवा में छिपे थे आरोपी

मुंबई : घाटकोपर होर्डिंग मामले में दो नई गिरफ्तारियां क्राइम ब्रांच ने की है, जिसमें से एक जान्हवी मराठे है, जिसकी अग्रिम जमानत याचिका नकारने के बाद वह फरार हो गई थी। तो वहीं मामले में सागर पाटिल नामक दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने होर्डिंग बनाने का कॉन्ट्रेक्ट लिया था। दोनों को गोवा से पुलिस ने गिरफ्तार किया है, रविवार को पुलिस उन्हें मुंबई लेकर पहुंचेगी। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि जान्हवी को जब अदालत ने अग्रिम जमानत देने से इनकार किया तब वह मुंबई छोड़कर भाग गई थी। पुलिस उसे ढूंढने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वह नहीं मिली।

इसके बाद पुलिस को पता चला कि वह गोवा में छिपी हुई है। पुलिस की एक टीम उसे ढूंढते हुए गोवा पहुंची और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा पुलिस की टीम ने सागर पाटिल नामक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है, जिसका नाम जांच में सामने आया था और उसकी भी सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे गोवा से गिरफ्तार किया है। मामले कि जांच क्राइम ब्रांच कर रही है।

कलंबा जेल में हत्या के मामले में 5 कैदी गिरफ्तार

मुंबई : कोल्हापुर के कलंबा जेल में 1993 के मुंबई बम ब्लास्ट के दोषी की हत्या मामले में जूना राजवाड़ा पुलिस स्टेशन की टीम ने 5 कैदियों को गिरफ्तार किया है। 2 जून को कोल्हापुर के कलंबा जेल में 1993 के बम ब्लास्ट के सजायाफ्ता कैदी मुन्ना खान उर्फ मनोज कुमार भवरलाल गुप्ता की पांच कैदियों ने मामूली विवाद के बाद हत्या कर दी थी। या जूना राजवाड़ा पुलिस स्टेशन की टीम ने छानबीन के बाद प्रतीक उर्फ पिल्या ग पाटिल, दीपक खोत, संदीप चव्हाण, ऋतुराज इनामदार और सौरभ के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया था।

अवैध तरीके से मवेशी परिवहन करने पर छह लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज

ठाणे : ठाणे जिले में अवैध तरीके से मवेशियों का परिवहन करने के आरोप में छह लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एमएफसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने चेकिंग के दौरान कल्याण क्षेत्र में अमानवीय तरीके से मवेशियों को ले जा रहे दो टेंपो को रोका। उन्होंने बताया कि दोनों टेंपो चालकों के पास मवेशियों को ले जाने का परमिट नहीं था, वे आवश्यक चिकित्सा प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत नहीं कर सके। उन्होंने बताया कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 और महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम 1976 के तहत वाहन चालक, मालिक और मवेशी खरीदने वालों सहित कुल छह लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वसई: दस मिनट की बारिश में नेशनल हाईवे का बुरा हाल, ट्रैफिक जाम से नागरिक परेशान

वसई: वसई विरार में भी मॉनसून ने प्रवेश कर लिया है. शनिवार की सुबह-सुबह महज दस मिनट की बारिश से मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भयावह स्थिति हो गई. जगह-जगह पड़े गड्ढों से यातायात प्रभावित होने से जाम की समस्या उत्पन्न हो गई। मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग वसई पूर्व से होकर गुजरता है। फिलहाल इस हाईवे पर अथॉरिटी की ओर से कंक्रीटिंग का काम चल रहा है। लेकिन इसकी प्लानिंग की कमी के कारण सड़क पर गड्ढे और ऊंची-नीची स्थिति की

समस्या अब भी बनी हुई है.

वसई में शनिवार की सुबह बारिश हुई। इसका नतीजा मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर देखने को मिला. मालजीपाड़ा, नायगांव इलाके में गड्ढे होने के कारण उनमें पानी जमा हो जाता है. इससे यातायात की गति कम हो गई और यातायात जाम की समस्या पैदा हो गई. चिंचोटी हाईवे ट्रैफिक पुलिस ने यातायात समस्या के समाधान के लिए पहल की और अस्थायी गड्ढों की मरम्मत कर यातायात सुचारू किया।

लेकिन हाईवे अथॉरिटी की ओर से कोई ध्यान देने वाला नहीं था। महज दस मिनट की बारिश में ये हाल है और अभी बारिश के तीन महीने बाकी हैं, ऐसे में इस साल भी हाईवे पर नागरिकों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा.

दिल्ली से लौटे फडणवीस, खुद को बताया फाइटर...

बीजेपी को लोकसभा चुनावों में हुआ है सबसे ज्यादा नुकसान, इस्तीफा देने पर कौन बन सकता नया डिप्टी सीएम?

मुंबई: लोकसभा चुनाव नतीजों में झटका लगने के बाद बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम का पद छोड़ने पर अड़े हुए हैं। दिल्ली से लौटने के बाद फडणवीस ने खुद को एक बार फिर फाइटर बताया है। सूत्रों की मानें तो केंद्र में पीएम मोदी के तीसरी बार शपथ ग्रहण होने के बाद महाराष्ट्र में तस्वीर साफ हो सकती है। फडणवीस की इच्छा है कि वह डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी छोड़कर संगठन को मजबूत करने में जुट जाएं। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि अगर महायुति सरकार से फडणवीस हटते हैं तो उनकी जगह कौन लेगा? राज्य में फडणवीस बीजेपी के सबसे बड़े नेता है। सूत्रों की हवाले से जानकारी मीडिया को मिली है। उसके अनुसार महाराष्ट्र में मंत्री गिरीश महाजन के कद को बढ़ाया जा सकता है। इस बीच यह भी चर्चा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके इस्तीफे की पेशकश का खारिज कर दिया है, लेकिन फडणवीस अपने फैसले पर अड़े हुए हैं। ऐसे में अगले कुछ दिन काफी अहम माने जा रहे हैं।

फडणवीस के बेहद करीबी

महाराष्ट्र में बीजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यही बीजेपी की सबसे बड़ी चिंता है। गिरीश महाजन की गिनती देवेंद्र फडणवीस के करीबियों में होती है। ऐसे में वह डिप्टी सीएम के साथ अहम गृह मंत्रालय संभाल सकते हैं। गिरीश महाजन राज्य में रावेर और जलगांव लोकसभा क्षेत्रों को संभाल रहे थे। दोनों जगहों पर बीजेपी को जीत मिली है। बीजेपी ने राज्य में कुल 9 लोकसभा सीटें जीतीं है। उसे कुल 14 सीटों पर नुकसान हुआ है। अगर फडणवीस राज्य सरकार से हटने के अपने फैसले पर कायम रहते हैं तो इस प्लान बी के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में शिंदे मंत्रिमंडल में कुछ और बदलाव भी हो सकते हैं।

कौन हैं गिरीश महाजन?

गिरीश दत्तात्रेय महाजन महाराष्ट्र के जलगांव जिले से आते हैं। वह जामनेर विधानसभा सीट विधायक हैं। महाजन की गिनती बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं में होती है। महाजन अभी महाराष्ट्र राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री हैं। 2010 के दशक में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में उन्होंने अलग-अलग समय में जल संसाधन मंत्री और राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया है। महाजन कॉलेज के दिनों में एबीवीपी के सक्रिय सदस्य थे। इसके बाद वह बीजेपी युवा मोर्चा में आए थे। इसके बाद बीजेपी नेता बने। 1992 में महाजन को जामनेर के ग्राम-पंचायत चुनाव के लिए चुना गया था। 1995 में वह पहली बार महाराष्ट्र राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 2014 तक विधायक के रूप में अपना 5वां कार्यकाल पूरा किया। महाजन ने 31 अक्टूबर 2014 को महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री के रूप में शपथ ली।

महाराष्ट्र से ढाई करोड़ का सोना लेकर भागा बैंक मैनेजर

एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी से दबोचा, तीन एटीएम और 500 रुपये बरामद

लखनऊ: महाराष्ट्र के फेडरल बैंक से ढाई करोड़ का सोना लेकर भागे फेडरल बैंक के ब्रांच मैनेजर को एसटीएफ ने शनिवार को सुशांत गोल्फ सिटी के पास से दबोच लिया। उसके पास से तीन एटीएम, 500 रुपये व अन्य दस्तावेज मिले हैं। वह ठाणे थाने से वांछित चल रहा था। एसटीएफ ने आरोपित को महाराष्ट्र पुलिस के हवाले कर दिया है। जौनपुर के मछली शहर स्थित कुंवरपुर निवासी गिरिजा शंकर तिवारी गोमतीनगर इलाके में रह रहा था। वह वर्ष 2021 में महाराष्ट्र के ठाणे स्थित फेडरल बैंक में ब्रांच मैनेजर था। बैंक में कार्यरत रहने के दौरान वह ग्राहकों से कम ब्याज दर पर गोल्ड लोन देने के लिए गोल्ड जमा करवाता रहा, लेकिन ग्राहकों से लिए गए गोल्ड को बैंक में जमा करने के बजाए वह उसे अपने पास ही रखे रहा।

गोल्ड लोन की धनराशि भी ग्राहकों को उसने अपने पास से दी थी। बाद में वह करीब ढाई किलो का गोल्ड लेकर बैंक से फरार हो गया था। बैंक प्रबंधन की ओर से उसके खिलाफ महाराष्ट्र के ठाणे थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। ठाणे थाने की पुलिस और महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच उसे तलाश रही थी। इसी बीच महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच को उसके लखनऊ में होने की सूचना मिली। महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच ने एसटीएफ से संपर्क किया। एसटीएफ के डीएसपी प्रमेश कुमार शुक्ल की टीम ने आरोपित गिरिजा शंकर को रेडार पर लिया और शनिवार को सुशांत गोल्फ सिटी इलाके से दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया है कि उसके खिलाफ ठाणे थाने में जालसाजी के तीन मामले दर्ज हैं।

सोना बेचकर बन गया प्रॉपर्टी डीलर

बैंक में गिरवी रखा सोना लेकर भागे आरोपित गिरिजाशंकर ने सोना बेचकर रकम हासिल की और प्रॉपर्टी डीलिंग शुरू कर दिया था। पूछताछ में उसने बताया कि उसी रकम से उसने ट्रेनिका प्रॉपर्टी सोल्यूशन प्रा.लि. के नाम से फर्म बनाई और लखनऊ में सुशांत गोल्फ सिटी व उसके आसपास के इलाकों में प्रॉपर्टी डीलिंग शुरू कर दी थी। अब सुशांत गोल्फ सिटी भी उसकी कुंडली खंगाल रही है। पता लगाया जा रहा है कि उसने इससे पहले किन लोगों के साथ फ्रॉड किया है। पूछताछ में आरोपित गिरिजा ने एसटीएफ को बताया कि वह वर्ष 2009 से निजी बैंकों और इंश्योरेंस कंपनियों में बतौर ब्रांच मैनेजर कार्यरत रहा है।

...तो संजय राउत पर पड़ सकता है थप्पड़: निरुपम

मुंबई : चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर अभिनेत्री और भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को सीआईएसएफ की महिला जवान द्वारा थप्पड़ मारे जाने को लेकर प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। उद्धव ठाकरे और शिंदे सेना के दोनों संजय आमने-सामने आ गए हैं। कंगना रनौत को थप्पड़ मारे जाने का जहां संजय राउत ने समर्थन किया, वहीं शिवसेना के प्रवक्ता संजय निरुपम ने संजय राउत पर पलटवार किया है, संजय निरुपम ने कहा कि सीआईएसएफ की महिला सुरक्षाकर्मी ने जिस प्रकार कंगना रनौत को थप्पड़ मारा है। उस घटना की निंदा की जानी चाहिए, क्योंकि यह सभ्य समाज का तरीका नहीं है। इस घटना का विरोध करते हुए निरुपम ने राउत का निशाने पर लिया और कहा मैं दावे के साथ कह सकता हू, जिस तरह राउत लोगों के दिल दुखाने वाली बयान देते रहते हैं एक दिन ऐसा आएगा की उन्हें भी कोई थप्पड़ मारेगा।

अभिनेत्री कंगना रनौत के सीआईएसएफ महिला सुरक्षाकर्मी द्वारा थप्पड़ मारे जाने के बाद उद्धव सेना के प्रवक्ता संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि मां तो मां होती है किसी को भी गुस्सा आएगा। राउत ने आगे कहा था कि सीआईएसएफ महिला जवान ने सिर्फ अपनी मां के लिए कानून अपने हाथ में लिया। उन्होंने कहा कि भारत मां भी मां है और किसान आंदोलन में जो लोग बैठे थे वह भारत माता के पुत्र थे, तो यदि अगर किसी ने भारत माता का अपमान किया है और अगर किसी को गुस्सा आया है। तो उनको इस बारे में सोचना चाहिए.

बंद घर में लगी आग, लाखों के सामान जलकर खाक

ठाणे : दिवा के साबेगांव स्थित एकवीरा मौली चाल में रहने वाली सुनीता जयसवाल के बंद घर में शनिवार दोपहर करीब ढ़ाई बजे आग लगने की घटना हुई। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। घर में रखे फ्रीज, टीवी, अलमारी, कपड़े, बिजली की वायरिंग, बेड आदि के जल जलने से भारी नुकसान हुआ है। आग लगने की घटना होने की सूचना मिलते ही शील दमकल विभाग के जवान अपने संसाधनों के साथ मौके पर पहुंच कर आग बुझाने के काम में जुट गए।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, मुंबई-थाणे सहित महाराष्ट्र के इन जिलों में होगी भारी बारिश

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में पुणे के बाद मुंबई के अलग-अलग इलाकों में देर रात तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, मुंबई में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई के दहिसर इलाके में कुछ घंटे की बारिश के बाद ही सड़कों पर जल जमाव देखने को मिला। आने वाले कुछ घंटों में मुंबई में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने सिंधुदुर्ग के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। वहीं, रत्नागिरी के लिए ऑरेंज और मुंबई सहित अन्य जगहों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में बादल गरजने के साथ बिजली गिरने का खतरा है। वहीं, तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है।

महाराष्ट्र के लिए जिला पूर्वानुमान के अनुसार, ''अगले 3-4 घंटों के दौरान मुंबई, ठाणे, रायगढ़ के जिलों में अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बिजली और मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, रविवार की सुबह मुंबई के कई इलाकों में बारिश हुई, जिससे मौसम में और भी सुधार हुआ। इससे पहले, भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर, दक्षिण महाराष्ट्र, तेलंगाना और दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा के कुछ हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

आईएमडी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, 8 जून 2024 को मध्य अरब सागर, दक्षिण महाराष्ट्र, तेलंगाना और दक्षिण छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा के कुछ हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।'' आईएमडी ने अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों (मुंबई सहित) और तेलंगाना में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों की सूचना दी।

पीएम मोदी ने की समीक्षा

आईएमडी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के शेष हिस्सों, महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों (मुंबई सहित) और तेलंगाना में दक्षिण - पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।'' पिछले कुछ दिनों से देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच बुधवार को देश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश में चल रही गर्मी की स्थिति और मानसून की शुरूआत की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। इस साल मानसून की शुरूआत दो दिन पहले हुई है, जबकि सामान्य तौर पर इसकी शुरूआत 1 जून को होती है। इस साल केरल में मानसून से पहले व्यापक बारिश हुई। 2023 में, मानसून के मौसम (जून-सितंबर) के दौरान पूरे देश में बारिश अपने दीर्घकालिक औसत का 94 प्रतिशत थी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com